NCERT
National Council Of Educational Research And Training

NCERT Solutions for 3rd Class Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 15-आओ बनाएं बर्तन

IndCareer Schools

indCareer indCareer indCareer

NCERT Solutions for Class 3rd Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 15-आओ बनाएं बर्तन

Class 3: पर्यावरण अध्ययन Chapter 15 solutions. Complete Class 3 पर्यावरण अध्ययन Chapter 15 Notes.

NCERT Solutions for Class 3rd Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन): Chapter 15-आओ बनाएं बर्तन

NCERT 3rd पर्यावरण अध्ययन Chapter 15, class 3 पर्यावरण अध्ययन Chapter 15 solutions

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-3rd-class-environmental-science-paryavaran-adhyayan-chapter-15-aao-banaye-bartan/

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 98)

➢ कौए को कुल्हड़ की जरूरत क्यों पड़ी?

उत्तर कौए को पानी भरने के लिए कुल्हड़ की जरूरत पड़ी। वह पानी से अपनी चोंच धोना चाहता था।

➢ एक कुल्हड़ बनाने में किन-किन लोगों ने कौए की मदद की?

उत्तर निम्न लोगों और चीजों ने कुल्हड़ बनाने में कौए की मदद की–
लोहार, खुरपी, मिट्टी, खदान और कुम्हार

➢ कुल्हड़ बनाने के लिए कुम्हार को किस-किस सामान की जरूरत पड़ी?

उत्तर कुल्हड़ बनाने के लिए कुम्हार को मिट्टी तथा चाक की जरूरत पड़ी।

➢ क्या तुम्हारे घर में मिट्टी के बर्तन हैं? कौन-कौन से?

उत्तर हाँ, मेरे घर में मिट्टी के गमले रखे हैं।

➢ अगर तुम्हें कोई चिकनी मिट्टी दे, तो क्या तुम कोई बर्तन बना पाओगे?

उत्तर नहीं, मैं मिट्टी से कोई बर्तन नहीं बना पाऊँगा।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 99)

➢ अगर इन बर्तनों में पानी डालकर रात भर रखो, तो क्या होगा?

उत्तर मिट्टी पानी में गल जायेगी और बर्तन टूट जायेगा।

➢ हम अपने घर या स्कूल में मटके में पानी रखते हैं। वह मटका पानी से गल क्यों नहीं जाता?

उत्तर क्योंकि कुम्हार उन्हें आग में पकाता है।

➢ क्या तुमने कभी ईंट या बर्तनों को भट्टी में पकाते देखा है?

उत्तर नहीं, मैंने ईंट या बर्तनों को भट्टी में पकाते नहीं देखा है।

➢ अगर हम सबके पास केवल मिट्टी के बर्तन होते और सारे टूट या गल जाते, तब हम क्या करते?

उत्तर हम फिर से दूसरे बर्तन या तो खरीदकर लाते या बनाते।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 100)

➢ यदि हमारे पास मिट्टी के बर्तन हों और वे सभी टूट जाएँ अथवा खराब हो जाएँ तो हम क्या करेंगे?

उत्तर हम नये बर्तन खरीदेंगे या उनका निर्माण करेंगे।

➢ बहुत साल पहले जब बर्तन नहीं थे, तब लोग क्या करते थे?

उत्तर जब बर्तन नहीं थे, तब लोग पत्तों के दोने और केले के पत्ते का इस्तेमाल बर्तन की तरह करते थे।

➢ लोगों ने बर्तन क्यों बनाए होंगे?

उत्तर उन्हें पानी और दूध रखने की जरूरत पड़ी होगी, इसलिए लोगों ने बर्तन बनाए होंगे।

➢ मान लो, एक दिन दुनिया से सारे बर्तन गायब हो जाएँ, तो तुम्हारे घर में क्या होगा?

उत्तर अगर दुनिया से सारे बर्तन गायब हो जाएँ, तब बड़ा गजब हो जायेगा। मेरे घर में खाना नहीं बन पायेगा। हमें फल खाकर काम चलाना पड़ेगा। नल से सीधे पानी पीना पड़ेगा।

IndCareer

Chapterwise NCERT Solutions for Class 3 Environmental Science –(पर्यावरण अध्ययन) :

- Chapter 1-डाल -डाल पर ,ताल -ताल पर
- Chapter 2-पौधों की परी
- Chapter 3-पानी रे पानी
- Chapter 4-हमारा पहला स्कूल
- Chapter 5-छोटू का घर
- Chapter 6-खाना अपना -अपना
- Chapter 7-बिन बोले बात
- Chapter 8-पंख फैलाए उड़ते जाए
- Chapter 9-बादल आये बारिश लाए
- Chapter 10-पकाएं खाए
- Chapter 11-यहां से वहा
- Chapter 12-काम अपने -अपने
- Chapter 13-धूकर देखें
- Chapter 14-कहां से आया ,किसने पकाया?
- Chapter 15-आओ बनाएं बर्तन
- Chapter 16-खेल खेल में
- Chapter 17-चिटठी आयी है
- Chapter 18-ऐसे भी होते हैं घर
- Chapter 19-हमारे साथी जानवर
- Chapter 20-बूंद -बूंद से
- Chapter 21-तरह -तरह के परिवार
- Chapter 22-दायां -बायां
- Chapter 23-कपड़ा सजा कैसे
- Chapter 24-जीवन का जाल

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-3rd-class-environmental-science-paryavaran-adhyayan-chapter-15-aao-banaye-bartan/

IndCareer

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.